NATIONAL CONFERENCE ON ENGINEERING, SCIENCE, MANAGEMENT, ARTS AND HUMANITIES (NCESMAH – 2021)
31ST OCTOBER, 2021

CERTIFICATE NO : NCESMAH /2021/C1021779

नैतिक विकास पर पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन

SHANTI MUKTA BARLA

Research Scholar, Department of Education,
Sri Satya Sai University of Technology & Medical Sciences, Sehore, M.P., India.

सारांश

एक सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य यदि नैतिक शिक्षा को कक्षा में वापस लाना है, तो बाहरी बाधाएँ जो इस दिशा में प्रयासों की सफलता को सीमित कर सकती हैं, पर विचार किया जाना चाहिए। असमानताओं को दूर करने या बढ़ाने में स्कूलों की एक आवश्यक भूमिका होती है, और शोध से पता चलता है कि निर्देश से पहले, एक छात्र की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि का नैतिक तर्क क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। इन निष्कर्षों को नृवंशविज्ञान अनुसंधान द्वारा समर्थित किया गया है जो दर्शाता है कि गरीब और कामकाजी वर्ग के छात्र सुकराती प्रश्न के प्रकार के साथ संघर्ष करते हैं जिसका उपयोग उनके मध्यवर्गीय साथियों की तुलना में छात्र नैतिक तर्क को विकसित करने के लिए किया जा सकता है। इन असमानताओं को अलग–अलग माता–पिता की शैलियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, गरीब और कामकाजी वर्ग के माता–पिता अपने बच्चों के साथ बड़े पैमाने पर छोटी, सीधी दिशाओं बनाम मध्यम वर्ग के माता–पिता के बीच आगे–पीछे की बातचीत में उलझे रहते हैं। घरों में भाषा के प्रयोग के कारण, इस शोध से पता चलता है कि मध्यम वर्ग

के छात्रों का नैतिक तर्क पहले गरीब और कामकाजी वर्ग के छात्रों की तुलना में अधिक परिष्कृत होगा। अन्य शोध इस विचार का समर्थन करते हैं कि भाषा का नैतिक निर्णय लेने पर प्रभाव पड़ता है। अध्ययनों के अनुसार, दूसरी भाषा में नैतिक कठिनाइयों के बारे में सोचने से नैतिक निर्णयों पर प्रभाव पड़ता है। अकादमिक सफलता अंतराल पर शोध के अनुसार, स्कूली शिक्षा में नैतिक शिक्षा को शामिल करने से सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों के कारण नैतिक विकास में अंतर नहीं आएगा। इस शोध का तात्पर्य यह भी है कि, सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना, छात्रों का नैतिक विकास पूरे निर्देश में लगभग समान दर से प्रगति करेगा, और यह कि सामाजिक आर्थिक स्थितियों के कारण नैतिक विकास में कमियों को स्कूल के प्रयासों के माध्यम से दूर करने की संभावना नहीं है। अंत में, इन निष्कर्षों से पता चलता है कि नैतिक शिक्षा सभी छात्रों को उनके नैतिक विकास को आगे बढ़ाने में मदद कर सकती है, जो कि अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है।